बुधवार
01 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 67
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रिश्वतखोर शिक्षा अधिकारी सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। रिश्वतखोरी मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए विजिलेंस टीम द्वारा शिक्षा अधिकारी सहित दो लोगों को एक लाख रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार थाना सतर्कता सैक्टर देहरादून पर दर्ज मुकदमे भ्रष्टाचार निवारण अधि नियम बनाम धनवीर सिंह बिष्ट, उपशिक्षा अधि कारी, प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी, डोईवाला, जनपद देहरादून में आज सतर्कता सैक्टर देहरादून की ट्रैप टीम द्वारा आरोपी धनवीर सिंह बिष्ट पुत्र गिन्दू सिंह, हाल तैनाती उप शिक्षा अधिकारी, प्रभारी खण्ड शिक्षा अधि कारी, डोईवाला, जनपद देहरादून एवं महिला आरोपी पुष्पांजलि पत्नी पंकज शर्मा, निवासी लेन नम्बर 5 डालनवाला देहरादून, हाल स्वामी उत्तरांचल मार्डन स्कूल गुमानीवाला ऋषिकेश, जनपद देहरादून को शिकायतकर्ता से उनके गंगा वैली जूनियर हाईस्कूल ऋषिकेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अध्ययनरत छात्रों की प्रतिपूर्ति के बिल के भुगतान के एवज में एक लाख रुपये उत्कोच ध नराशि ग्रहण करते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। जिनसे पूछताछ जारी है।

बता दें कि उत्तराखण्ड राज्य में तकरीबन हर सरकारी विभाग में रिश्वतखोरी के मामले लगातार सामने आ रहे है। हालांकि इन मामलों में राज्य प्रशासन का कहना है कि वह इन मामलो को रोकने के लिए जीरो टालरेंस की नीतियों पर काम कर रहे है। हालांकि इस साल मे तीन माह के भीतर ही कई विभागों में कार्यवाही करते हुए विजिलेंस टीम द्वारा कई लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन फिर भी राज्य में रिश्वतखोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है।

शोक में डूबा देहरादून: पूर्व सीएम सहित कांग्रेस नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के पूर्व सीएम हरीश रावत व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह सहित कई कांग्रेसी आज दिवंगत ब्रिगेडियर मुकेश जोशी के घर पहुंचे और उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी।

विदित हो कि राजपुर स्थित जोहड़ी क्षेत्र में सोमवार तड़के अराजक तत्वों द्वारा की गई सरेराह गोलीबारी की घटना में मॉर्निंग वॉक पर निकले तुलाज अपार्टमेंट निवासी रिटायर्ड ब्रिगेडियर मुकेश कुमार जोशी के सीने में गोली लगने से मौत हो गयी थी। आज उनके अंतिम संस्कार के दिन पूर्व सीएम हरीश रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह एवं चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष सहित कई कांग्रेसी दिवंगत ब्रिगेडियर जोशी के आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने स्व. जोशी के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी तथा दिवंगत पुण्यात्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस घटना को लेकर प्रीतम सिंह ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि, "राजधानी देहरादून में इस तरह दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना होना बेहद चिंताजनक है। जब आम नागरिक सुबह टहलने में भी सुरक्षित नहीं हैं, तो यह सरकार की कानून-व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और शासन-प्रशासन पूरी तरह से निष्क्रिय नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं प्रदेश की छवि को भी नुकसान पहुंचा रही हैं और जनता में भय का माहौल पैदा कर रही हैं, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर पूर्व देहरादून महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, मसूरी से पूर्व प्रत्याशी गोदावरी थापली, मालसी वार्ड के पार्षद सुमेन्द्र बोरा, पार्षद सागर लामा, प्रशांत खंडूरी, मनीष गोनियाल, शुभम खरोला, नीरज पाल, रूपेश कुमार, संदीप कुमार आदि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

दून वैली मेल

संपादकीय

पीर पहाड़ की

राज्य बने भले ही 25 साल का समय बीत गया हो और सरकारी दावों में उत्तराखंड का विकास सरपट दौड़ रहा हो लेकिन क्या पहाड़ वासियों की पीर में कुछ कमी आई है या उसकी पीर आज भी पहाड़ जैसी ही बनी हुई है। अभी विधायक मुन्ना सिंह चौहान का एक इंटरव्यू देखा गया था जिसमें वह पहाड़ के पलायन से लेकर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और स्वास्थ्य समस्याओं पर अपनी ही सरकार के खिलाफ बड़ी बेबाकी से कहते हैं कि आंकड़ों में भले ही पलायन की स्थिति में सुधार दिख रहा हो और रिवर्स पलायन की बात कही जा रही हो लेकिन यह सब झूठ है। अगर यह सच होता तो भूतिया गांवों और बंद होते स्कूलों की संख्या में निरंतर वृद्धि क्यों हो रही है। उनका साफ कहना है कि राज्य के लोगों की प्रति व्यक्ति आय 2 लाख के पार हो गई है किंतु सरकारी आंकड़ों में बढ़ने वाली यह आय सिर्फ शहरी आबादी तक ही सीमित है। राज्य के दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आय कितनी बढ़ी है? इसका सच जानने वाला कोई नहीं है। ठीक वैसा ही हाल स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा का भी है। इन सुविधाओं का दायरा सिर्फ शहरों तक ही सीमित है पहाड़ के स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रो की क्या स्थिति है इसकी हकीकत एकदम अलग है। एक अन्य वीडियो इन दोनों चर्चाओं के केंद्र में है। टिहरी की जिलाधिकारी स्वाति भदोरिया अपने कार्यालय में बैठी जन समस्याओं को सुन रही है। ग्रामीण क्षेत्र का एक युवक अपनी पेयजल समस्या को लेकर उनके पास पहुंचता है और कहता है कि हम लोग बहुत परेशान हैं बिना पानी के कैसे गुजारा किया जाए। डीएम स्वाति द्वारा उसकी बातें सुनकर विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जाती है या नहीं? तथा क्या उन्होंने कोई समाधान किया है जैसे सवाल पूछे जाते हैं। इन सवालों का जवाब देने के बीच इस युवक द्वारा बड़ी ही मासूमियत भरे अंदाज में यह भी कह दिया जाता है कि मैडम अभी तक मेरी शादी भी नहीं हुई है। वहां मौजूद तमाम लोग ठहाका लगाते हैं और डीएम स्वाति भी अपनी हंसी नहीं रोक पाती है। लेकिन उस युवक की इस बात के पीछे छिपी वह पहाड़ की एक ऐसी पीड़ा भी सामने उजागर हो जाती है जो पहाड़ के लड़कों को अब बहु न मिलने से जुड़ी हुई है। पहाड़ के लोग अब अपनी बेटियों की शादी भी पहाड़ के ऐसे लड़कों से करने में कतराते हैं जो गांव देहात में रहते हैं। कारण बड़ा स्पष्ट है कि पहाड़ पर आज भी मूलभूत सुविधाओं का बड़ा अभाव है बात सिर्फ रोटी-रोजी तक सीमित नहीं है जिसे बाहर जाकर कमाया जा सकता है। बात शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी जैसी मूलभूत समस्याओं की है पहाड़ में बच्चों को अच्छी शिक्षा तथा बीमार को अच्छा इलाज कहां से मिलेगा? कैसे पीने का पानी मिलेगा? आज भी तमाम समस्याएं जस की तस ही बनी हुई है। पहाड़ों से आने वाली तमाम तस्वीरे और खबरें इस बात की पुष्टि भी करती हैं। बीते कुछ समय से पहाड़ में अब लड़कों के लिए लड़की (बहू)की तलाश भी मुश्किल हो जाने की समस्या चर्चाओं के केंद्र में है। एक आम आदमी भी अब यही चाहता है कि उसकी बेटी की शादी ऐसे लड़के से हो जो किसी शहर में रहता हो और नौकरी पेशा करता हो। जिससे उसकी भावी पीढ़ी पहाड़ों की पहाड़ जैसी इस पीड़ा से निजात पा सके।

इतनी भी क्या जल्दी है कि... ?

इतनी भी क्या जल्दी है दोस्तों कि? आपके परिजनों के अधजले शरीर को कुत्ते नोच रहें हैं और आप घर पर मातम मना कर छाती पीट रहे हों? कहते ही नहीं, विश्वास भी है की इंसान का सबसे वफादार दोस्त होता है कुत्ता। लेकिन मौका पाते ही इंसान की बोटियों को नोचने में जरा सा भी संकोच नहीं होता है कुत्तों को।

आपको बताते चलें की केदारघाट में एक ही जगह पवित्र स्नानघाट व बगल में मोक्षघाट है। इंसान इतनी जल्दी में है कि अपने ही प्रियजनों का अंतिम संस्कार की इतनी जल्दी में रहता है कि शव को आधा अधूरा जलाकर उसके अवशेषो को पवित्र गंगा माँ के प्रवाह में धकेल देता है और निकल पड़ता है घर की और मातम मनाने। कुछ लोग तो इतनी जल्दी में रहते है कि अधजले शरीर के अवशेषों को यों ही नदी किनारे छोड़ चले जाते हैं अपने अपने घरों की और, बस इसी के बाद शुरू होता है कुत्तों का आतंक। दिनभर की आवाजाही के बाद शहर के आवारा कुत्ते सुबह सबेरे ओर दोपहर बाद नदी किनारे पहुँचकर इन्सानो के बचे अवशेषों को तलाश में जुट जाते हैं। और ज्यों ही इंसान का बचा खुचा अवशेष मिलता है बस टूट पड़ते हैं और लग जाते हैं उसे बुरी तरह निर्दयता से नोचने।

यकीन ही नहीं होता है की कुत्ते भी इस तरह इतने क्रूर और बेरहम होते हैं और इंसान का सबसे बड़ा और वफादार दोस्त कुत्ता इतना बड़ा दुश्मन है इंसान का। मुझे लगा जब इंसान ही इंसान को दगा देने में लगा हो तो कुत्ता भी क्यों वफादारी दिखाए। इससे पहले कि आपके परिजन के अधजले शरीर को कुत्ते नोचें कृपया मृत इंसान की चिता को नदी तट पर संपूर्ण शरीर को जलने, भस्म होने तक चिता की आग में पानी डालकर उसे आगे न धकेले। आपके जिस प्रिय परिजन ने आपके जीवन को संवारने संभालने में 80 से 90 साल लगा दिए हों। मृत्यु होने पर पर आप अपने उस प्रिय परिजन की चिता को जलाने में 3 से 4 घंटे देने में भी कतराते हैं। इतनी भी क्या जल्दी है दोस्तों?

●लोकेंद्र सिंह बिष्ट,
प्रांत संयोजक गंगा विचार मंच।
गंगा माँ के किनारे केदारघाट से।

नगर निगम प्रशासन ने किया एक दिवसीय शिविर का आयोजन

संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम प्रशासन द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन के लाभार्थियों को नए वित्तीय वर्ष 26-27 सम्मिलित करते हुए आवेदन की प्रक्रिया पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया।

आज यहां नगर निगम द्वारा विकसित किए गए तीन वेंडिंग जोन प्रथम ललतारो पुल,चण्डी चौराहा मार्ग दूसरा भगत सिंह चौक से सेक्टर 2 बैरियर तीसरा पुल जटवाड़ा सभी वेंडिंग जोन के लाभार्थियों को नगर आयुक्त नंदन कुमार के निर्देशन में नए वित्तीय वर्ष 26-27 के लाइसेंस विक्रय प्रमाण परिचय पत्र आवंटन की कार्रवाई करते हुए प्रथम वेंडिंग जोन के प्रांगण में नगर निगम द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

प्रथम चरण में वेंडिंग जोन के लाभार्थी में सभी औपचारिकता पूरी कर नए वित्तीय वर्ष के लाइसेंस के लिए आवेदन नगर निगम के वरिष्ठ लिपिक शिव प्रकाश सिंह चौहान के माध्यम से जमा कराए। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार नए वित्तीय वर्ष 26-27 के लाइसेंस विक्रिया प्रमाण परिचय पत्र आवटन की कार्रवाई सरलीयकरण किया जाने से नगर आयुक्त नंदन कुमार का सभी वेंडिंग जोन के लाभार्थी लघु व्यापारी आभार प्रकट करते हैं।

उन्होंने कहा आगामी दूसरे चरण में चलती फिरती रेड़ी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों को उनके कारोबारी स्थान पर चिन्हित कर नए वित्तीय वर्ष के लाइसेंस विक्रय प्रमाण परिचय पत्र दिए जाने की कार्रवाई किए जाने से सभी स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों की एक नई पहचान बनेगी।

उन्होंने कहा रुड़की हरिद्वार विकास प्राधिकरण द्वारा सभी चौक चौराहे के सौंदर्यकरण किया जा रहे हैं। सौंदर्यकरण की योजना में वेंडिंग जोन भी सम्मिलित किए जाने की कार्रवाई प्रचलन में लाने के लिए शीघ्र ही एचआरडीए के अधिकारियों से भेंट वार्ताएं की जाएगी।

दिवंगत ब्रिगेडियर वी के जोशी पंच तत्व में विलीन

अंतिम यात्रा में शामिल हुए कांग्रेस प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने मृत ब्रिगेडियर वीके जोशी की अंतिम यात्रा में शामिल होकर परिवार को सांत्वना दी। आज यहां सोमवार 30 मार्च को प्रात: साढ़े छह बजे राजपुर थाने के जोहड़ी गांव में घटित गैंगवार की क्रॉस फायरिंग में मृत ब्रिगेडियर वीके जोशी की अंतिम यात्रा में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना समेत अनेक पूर्व सेना अधिकारी , राजनैतिक नेता व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। धस्माना ने दिवंगत ब्रिगेडियर वीके जोशी की धर्मपत्नी श्रीमती रेणु जोशी, बेटे कमांडर मोहित जोशी व बेटी रूपाली जोशी से मुलाकात कर उनको सांत्वना दी व आश्वस्त किया कि किसी भी हाल में इस जघन्य हत्याकांड में शामिल हत्यारों को गिरफ्तार करवाया जाएगा।

धस्माना के साथ प्रदेश पूर्व सैनिक विभाग अध्यक्ष कर्नल राम रतन सिंह नेगी, महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला, श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल, गोपाल गड़िया, श्रीमती आशा मनोरमा शर्मा, संतोष नैनवाल अनुज दत्त शर्मा, पार्षद सागर लामा इस अवसर पर साथ रहे।

250 बच्चों को नि:शुल्क किताबें, बैग व गर्मी की ड्रेस वितरित की

संवाददाता

ऋषिकेश। ज्ञान करतार पब्लिक स्कूल में बच्चों को नि:शुल्क किताबें, बैग व गर्मी की ड्रेस वितरित की।

आज यहां चंदेश्वर नगर स्थित ज्ञान करतार नि:शुल्क पब्लिक स्कूल में इस साल भी बच्चों को गर्मी की ड्रेस वितरित की गई। स्कूल की यह परंपरा सालों से चली आ रही है, जिसके तहत बच्चों को न केवल शिक्षा बल्कि पहनावे और अन्य आवश्यक सामग्री भी नि:शुल्क प्रदान की जाती है। ूल के संस्थापक गुरविंदर सलूजा ने बताया कि इस स्कूल की शुरुआत 2016 में मात्र 37 बच्चों के साथ की थी। आज यहां 250 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इन बच्चों को किताबें, बैग और अन्य कई प्रकार की सामग्री भी नि:शुल्क दी जाती है, जिससे

गरीब बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके। गुरविंदर सलूजा और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नमिता सलूजा दिल्ली से ऋषिकेश आकर निस्वार्थ सेवा कर रहे हैं। उनका कहना है कि गरीब बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। उनका उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उन्हें उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर करना भी है। विशेष बात यह है कि यह स्कूल ऋषिकेश में ऐसा एक मात्र संस्थान है, जहां बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ पूरी तरह से नि:शुल्क संसाधन उपलब्ध कराए

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

धर्मशालाओं के जरिए यात्रियों को मिलती है बेहतर सुविधा- प्रेमचंद

ऋषिकेश(आरएनएस)। भूपतवाला में पांच करोड़ की लागत से श्री गंगा इंटरनेशनल ट्रस्ट ने धर्मशाला का निर्माण कराया है। इससे क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों को ठहरने की सुविधा मिल सकेगी। सोमवार को हरिपुर समीप भूपतवाला में नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन ऋषिकेश विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि लगभग तीन वर्ष पूर्व अपने मंत्रित्व कालत के दौरान इस धर्मशाला का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया था। यह पूर्ण होकर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए तैयार है। कहा कि पांच करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 42 कमरों वाली यह धर्मशाला आधुनिक एवं सभी सुविधाओं से युक्त है। कहा कि हरिद्वार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का प्रमुख आस्था केंद्र है। विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं गुजरात व अन्य राज्यों के साथ उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले लोगों को अब ठहरने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह धर्मशाला श्रद्धालुओं को सुलभ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके साथ उन्होंने धर्मशाला निर्माण के लिए भूमि दान करने एवं निर्माण कार्य मे अहम भूमिका निभाने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

मेयर किरन जैसल ने छात्रों को नए लक्ष्यों के लिए किया प्रेरित

हरिद्वार(आरएनएस)। मायापुर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह में होनहारों का सम्मान किया गया। छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोहा। सोमवार को इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि मेयर किरन जैसल ने दीप जलाकर किया। उन्होंने कहा कि परीक्षाफल के बाद छात्रों के जीवन की नई शुरुआत होगी। अब वे नई कक्षा में प्रवेश करते हुए ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में छात्र-छात्राएं अहम भूमिका निभाएंगे। इस दौरान नारायणी अधिकारी, यश बौड़ाई, पार्थ मोदी, आराध्या काला और पलक समेत कई छात्र-छात्राओं को शैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि संत दिवाकर, प्रधानाचार्य करनेश कुमार, प्रबंधक जगपाल सिंह, कोषाध्यक्ष प्रभु दयाल अग्रवाल, प्रबंध समिति सदस्य रमेश भाटिया, नीरज, गौरव भारद्वाज मौजूद रहे।

निर्माण सामग्री से संकरा हुआ उत्तरकाशी-लंबगांव मोटर मार्ग

उत्तरकाशी(आरएनएस)। उत्तरकाशी-लंबगांव मोटर मार्ग पर तिलोथ पावर हाउस की ओर जाने वाले रास्ते के पास सड़क किनारे डाली गई रेत, मिट्टी और पत्थरों के ढेर दुर्घटना का सबब बने हैं। निर्माण सामग्री सड़क तक फैली हुई है जिससे मार्ग संकरा हो गया है। ऐसे में अचानक सामने आने वाले रेत-बजरी के ढेर दोपहिया और चौपहिया वाहनों के लिए बड़ा खतरा बना है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के चलते सामग्री लंबे समय से सड़क किनारे डाली गई है लेकिन इसे हटाने या सुरक्षित ढंग से रखने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। न तो चेतावनी संकेत लगाए गए हैं। रात के समय वहां पर कोई रिफ्लेक्टर या बैरिकेडिंग की व्यवस्था भी नहीं की गई है। स्थानीय निवासी प्रदीप, सुमित ने बताया कि सड़क पर पत्थर व रेत के ढेर लगे होने से कई बार सामने से आने वाले वाहनों के जोरदार टक्कर की आशंका बनी रहती है। लंबगांव और उत्तरकाशी के साथ ही केदारनाथ धाम का एक वैकल्पिक रूट भी है। यात्रा सीजन के दौरान वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में सड़क पर इस तरह की लापरवाही आने वाले समय में यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ एनएसएस शिविर संपन्न

ऋषिकेश(आरएनएस)। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय परिसर ऋषिकेश का सात दिवसीय एनएसएस शिविर रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। शिविर के सात दिनों तक सामाजिक गतिविधियों के जरिए स्वयंसेवियों को लोगों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवियों को सम्मानित किया गया। सोमवार को राइका आईडीपीएल में चल रहे एनएसएस शिविर के अंतिम दिन समापन कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि राजीव लोचन सिंह ने स्वयंसेवकों के सेवा, समर्पण और सामाजिक जागरूकता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सच्ची शिक्षा का अर्थ समाज के प्रति सेवाभाव और जिम्मेदारी निभाना है। श्रीदेव सुमन विवि परिसर ऋषिकेश के निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत ने कहा कि ऐसे शिविर विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं।समाजसेवी प्रो. गौरव वार्ष्णेय ने एनएसएस को व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व, देशभक्ति और जीवन मूल्यों के विकास का सशक्त माध्यम बताया। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अशोक कुमार मैन्दोला ने कहा कि शिविर में स्वयंसेवियों ने एड्स जागरूकता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, पौधारोपण एवं संरक्षण, नशामुक्ति, रक्तदान, महिला शिक्षा, अंधविश्वास उन्मूलन सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में शिरकत की।

कलाकार जब अपने जीवन की अनुभूतियों को अभिव्यक्त करता है, तो उसकी कला का विस्तार होता है- निशंक

हरिद्वार(आरएनएस)। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि जब कलाकार अपने जीवन की अनुभूतियों और संवेदनाओं को अभिव्यक्त करता है, तो उसकी कला का विस्तार होता है। समाज भी इससे लाभान्वित होता है। उन्होंने कहा कि कला, संस्कृति और साहित्य में दक्ष व्यक्तियों को इसे समाजहित में साझा करना चाहिए, अन्यथा कला क्षीण हो जाती है। बीएचईएल सेक्टर-2 स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के माधव भवन में गीतकार अरुण कुमार पाठक की संगीतबद्ध गीतों की एलबम 'इन्द्रधनुष' का विमोचन किया गया। भारतीय संस्कृति की संवाहक पत्रिका 'चेतना पथ' के छठे वर्ष का प्रवेशांक भी जारी हुआ। इस दौरान साहित्य, कला और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला।

रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने 'चेतना पथ' को सराहते हुए कहा कि हरिद्वार और आसपास के क्षेत्र में कला और साहित्य की अपार संभावनाएं हैं। भेल के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) बलबीर तलवार ने कहा कि स्वस्थ साहित्य और कला समाज को समृद्ध बनाते हैं। इस अवसर पर ओम प्रकाश जमदग्नि, लोकेंद्र अंथवाल, आशना नेगी कंडियाल, विजयेंद्र पालीवाल, डॉ. नरेश मोहन, विशाल गर्ग, मीनल शर्मा, डॉ. राधिका नागरथ, संतोष साहू, ललित जिंदल, डॉ. श्वेता सरन, तेजिंदर सिंह, संगीता राणा, डॉ. प्रिया आहूजा, डॉ. सुशील त्यागी, प्रेम शंकर शर्मा 'प्रेमी' मौजूद रहे।हम तेरे शहर में आए हैं...इस दौरान एलबम 'इन्द्रधनुष' के गीतों पर सुमन पंत, अरुण पाठक, निपुण जिंदल और उद्धव आर्या ने मधुर प्रस्तुतियां दीं। दून से आए गजल गायक अनुराग शर्मा ने 'हम तेरे शहर में आए हैं मुसाफिर की तरह' प्रस्तुत कर श्रोताओं की तालियां बटोरीं। आकाशवाणी और दूरदर्शन के कलाकार विपुल रुहेला ने 'ऐ मोहब्बत तेरे नाम पे रोना आया' सुनाकर समां बांध दिया। डॉ. भारती मिश्रा ने संचालन किया, जबकि अर्चना झा 'सरित' ने अतिथियों का परिचय दिया।

जर्जर पुल से जान जोखिम में डालकर सफर कर रहे स्कूली बच्चे

उत्तरकाशी(आरएनएस)। तहसील के बंचाणगांव और चपटाड़ी गांव के बीच मैड़ा खड्ड पर बना वर्षों पुराना पैदल पुल अब पूरी तरह जर्जर हालत में पहुंच चुका है। पुल की खराब स्थिति के कारण यहां से गुजरने वाले ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की जान को हर वक्त खतरा बना हुआ है। लंबे समय से पुल के पुनर्निर्माण की मांग के बावजूद अभी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। बंचाणगांव से करीब 40 छात्र-छात्राएं प्रतिदिन राजकीय इंटर कॉलेज सरनौल पढ़ने जाते हैं जिन्हें मजबूरन इसी जर्जर पुल से होकर गुजरना पड़ता है। इन दिनों खड्ड में पानी कम होने के कारण कुछ लोग सीधे खड्ड से आवाजाही कर लेते हैं लेकिन बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। पानी बढ़ने और तेज बहाव के चलते खड्ड से गुजरना असंभव हो जाता है जिससे ग्रामीणों और छात्रों को जान जोखिम में डालकर पुल का इस्तेमाल करना पड़ता है। क्षेत्र में कोई वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध नहीं है। ग्राम प्रधान उपेंद्र रावत ने बताया कि पुल के पुनर्निर्माण के लिए प्रस्ताव आपदा मद से स्वीकृति हेतु जिला प्रशासन के पास लंबित है लेकिन अब तक इसे मंजूरी नहीं मिल सकी है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

गांव-गांव पहुंचकर अल्मोड़ा पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनपद में पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और सामाजिक जागरूकता को लेकर अभियान जारी है। इसी क्रम में रविवार को चितई क्षेत्र के पंत गांव में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत महिला कोतवाली टीम ने गांव में पहुंचकर मानव तस्करी, महिला सुरक्षा और नए आपराधिक कानूनों के बारे में विस्तार से बताया। टीम ने ग्रामीणों को डिजिटल ठगी के बढ़ते मामलों के प्रति सचेत करते हुए फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के उपाय समझाए। इस दौरान गौरा शक्ति ऐप की जानकारी देते हुए उसके उपयोग के बारे में भी जागरूक किया गया। साथ ही सोशल मीडिया के सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल पर जोर दिया गया। पुलिस टीम ने ग्रामीणों को सलाह दी कि किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या व्यक्ति पर तुरंत विश्वास न करें और अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचें।

व्यावसायिक सिलेंडर के लिए अब भी जूझ रहे कारोबारी

रुड़की(आरएनएस)। रुड़की में घरेलू रसोई गैस की सप्लाई में मामूली सुधार आया है। लेकिन कॉमर्शियल सिलेंडरों की कमी से कारोबारियों की मुश्किलें अब भी जारी हैं। इससे होटल, रेस्टोरेंट कारोबाजी परेशान हैं। दीपाली गैस एजेंसी के मैनेजर निशिकांत शर्मा ने बताया कि रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि रविवार को भी एक गाड़ी गैस सिलेंडरों की आई थी, सोमवार को भी सप्लाई पहुंची है। एजेंसी से हैंड टू हैंड बुकिंग के आधार पर उपभोक्ताओं को सिलेंडर दिए जा रहे हैं। साथ ही होम डिलीवरी व्यवस्था भी नियमित रूप से संचालित की जा रही है। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिल रही है और उन्हें लंबा इंतजार नहीं करना पड़ रहा। वहीं, छवि गैस एजेंसी के मैनेजर मनोज शर्मा ने भी बताया कि घरेलू रसोई गैस को लेकर फिलहाल किसी प्रकार की किल्लत नहीं है। इससे आम लोगों की चिंता कुछ हद तक कम हुई है और घरों में रसोई व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। इसके विपरीत व्यावसायिक सिलेंडरों की कमी अब भी गंभीर बनी हुई है। शहर के होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालक और अन्य खाद्य प्रतिष्ठान सिलेंडर न मिलने से भारी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि समय पर कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से उनके कामकाज पर सीधा असर पड़ रहा है।

कारोबारी बोले-चारधाम यात्रा पंजीकरण बंद करे सरकार

हरिद्वार(आरएनएस)। चारधाम यात्रा से पहले हरिद्वार के ट्रैवल कारोबारी विभिन्न मुद्दों को लेकर मुखर हो गए हैं। उन्होंने सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया को बंद करने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि इससे तीर्थयात्रियों को अनावश्यक परेशानी होती है। सोमवार को हरिद्वार ट्रैवल एसोसिएशन की बैठक में चारधाम यात्रा के लिए लागू पंजीकरण, ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड व्यवस्था का विरोध किया। पूर्व अध्यक्ष उमेश पालीवाल ने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा को लेकर कारोबारियों में उत्साह है, लेकिन पंजीकरण प्रक्रिया के कारण बड़ी संख्या में यात्री दर्शन से वंचित रह जाते हैं। पूर्व उपाध्यक्ष अखिलेश चौहान ने कहा कि पंजीकरण के साथ उत्तराखंड के वाहनों पर लागू ग्रीन कार्ड व्यवस्था को समाप्त किया जाए। उनका तर्क है कि प्रदेश के वाहन पहले से ही फिटनेस जांच और शुल्क जमा करते हैं, ऐसे में ग्रीन कार्ड का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि ग्रीन कार्ड और ट्रिप कार्ड केवल बाहरी राज्यों से आने वाले वाहनों पर ही लागू किए जाएं। उन्होंने चेताया कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस बैठक में संरक्षक भगवत शर्मा, गोपाल छिब्बर, विनोद सैनी, सूरज शर्मा, राजेश बोहरा, ओविंद्र ठाकुर, उमेश गौड़, राघवेंद्र शर्मा, परेश नानावती, अभिषेक बहुगुणा, अजय गिल, राजेश, संचित, बॉबी, सचिन भार्गव मौजूद रहे।मनमानी किराया वसूली रोकने के लिए निगरानी जरूरीपूर्व महामंत्री सुमित श्रीकुंज ने कहा कि चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है, लेकिन अभी तक सरकार ने वाहनों की किराया सूची जारी नहीं की है। उन्होंने मांग उठाई कि पहले सभी वाहनों के किराये सरकारी वेबसाइट पर सार्वजनिक किए जाएं। इससे मनमानी वसूली पर रोक लग सकेगी और तीर्थयात्रियों का शोषण नहीं होगा।

प्रेगनेंट महिलाओं को कुछ कामों से बिलकुल दूरी बना लेनी चाहिए

गर्भावस्था का समय बहुत नाजुक होता है। इस दौरान महिलाओं का वजन बढ़ जाता है तो वहीं दूसरी ओर उनके शरीर में कई तरह के बदलाव भी आते हैं। गर्भ में शिशु होने के कारण पेट का वजन भी बढ़ जाता है जिसकी वजह से महिलाओं को कुशलता से काम करने में भी दिक्कत आती है। ऐसे में घर के काम करने तो जरूरी होते हैं लेकिन प्रेगनेंट महिलाओं को इस नाजुक समय में घर के कुछ कामों से बिलकुल दूरी बना लेनी चाहिए।

यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि प्रेग्नेंसी में घर के कौन-से काम नहीं करने चाहिए और किन घरेलू कामों को गर्भवती महिलाएं आसानी से कर सकती हैं।

क्या प्रेग्नेंसी में घरेलू काम करना सुरक्षित है

इस मामले में आपको थोड़ा संतुलन बनाकर चलना पड़ेगा। प्रेग्नेंसी में ज्यादा तनाव वाले काम करने से बचें। कठिन काम करने से थकान तो जल्दी होगी ही साथ ही ये आपके स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं रहेगा। वहीं अगर आप कुछ भी काम नहीं करती हैं या गतिहीन जीवनशैली अपना लेती हैं तो इसका दुष्प्रभाव आपकी प्रेग्नेंसी पर पड़ सकता है। इसलिए आपको घर के ऐसे काम करने चाहिए जो आपके लिए सुरक्षित हों।

गर्भावस्था में कर सकती हैं घर के ये काम

1.प्रेग्नेंसी में बड़ी आसानी से सब्जियां को काटने और साफ करने का काम किया जा सकता है। कई महिलाएं खड़े होकर सब्जियां काटती हैं जबकि प्रेग्नेंसी में ऐसा करना है। आपको बैठकर ये काम करना चाहिए।

2.आप लंबे हैंडल वाली झाड़ू और पोछे का इस्तेमाल कर घर की सफाई भी कर सकती हैं। झाड़ू या पोछा लगाने के लिए ज्यादा झुकने की जरूरत नहीं है। अगर इस काम को करने में आपको दिक्कत हो रही है तो तुरंत छोड़ दें।

3.गर्भवती महिलाएं बाथरूम की सफाई भी कर सकती हैं। इसमें ईको फ्रेंडली क्लीनिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें। प्रेग्नेंसी में सफेद सिरका, नींबू का रस और बेकिंग सोड़ा का इस्तेमाल सुरक्षित होता है।

4.आप घर पर बर्तन धोने का काम भी कर सकती हैं लेकिन 15 से 20 मिनट से ज्यादा समय तक खड़ी न रहें।

प्रेग्नेंसी में न करें ये घरेलू काम

अगर आप प्रेगनेंट हैं तो नीचे बताए गए काम बिलकुल न करें :

1.ज्यादा भारी सामान : प्रेग्नेंसी में कमर दर्द पहले से ही रहता है। ऐसे में भारी वजन उठाना आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। पानी की बाल्टी, राशन का सामान जैसी भारी चीजों को उठाने की गलती न करें।

2.केमिकल युक्त चीजें : साफ-सफाई के लिए केमिकल युक्त चीजों की बजाय प्राकृतिक उत्पादों जैसे कि सिरके या बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करें। इनके इस्तेमाल के दौरान हमेशा दस्ताने पहनकर रखें और मुंह को भी ढक कर रखें। प्रेग्नेंसी में आपको केमिकल युक्त क्लीनिंग प्रोडक्ट का इस्तेमाल बिलकुल नहीं करना है।

3.सीढियां चढ़ना :प्रेग्नेंसी में सीढियां चढ़ने के लिए भी मना किया जाता है। सीढियां चढ़ने पर गिरने का खतरा रहता है इसिलए ऐसा करने से बचें।

4.बार-बार झुकना : सोने, झाड़ू लगाने, कूड़ा साफ करने या कपड़े धोने के लिए बार-बार झुकना पड़ता है। ऐसे काम करने से बचें।

नवजात शिशु की जीभ कैसे साफ करें

जन्म के समय भले ही शिशु के दांत नहीं होते हैं लेकिन फिर भी नियमित शिशु के मुंह को साफ करने की जरूरत होती है। अगर आपका बच्चा अभी छोटा है तो आपको रोज उसकी जीभ साफ करनी चाहिए वरना शिशु को ओरल हैल्थ से जुड़ी परेशानी हो सकती है।

आइए जानते हैं कि बच्चों की जीभ साफ करने का सही तरीका क्या है।

क्यों जरूरी है जीभ साफ करना

अगर आप रोज शिशु की जीभ और मुंह की सफाई करती हैं तो इससे बच्चे में मुंह से बदबू आने और बैक्टीरिया मने एवं ओरल इंफेक्शन और मसूड़ों से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

दांत आने से पहले ही शिशु के मुंह की सफाई करना शुरू कर देना चाहिए। शुरुआत में ही ऐसा करने से बच्चे के दांत आने की प्रक्रिया में मदद मिलती है और दांत भी आगे चलकर साफ और मजबूत रहते हैं।

शिशु की जीभ साफ करने का तरीका

1.सबसे पहले तो आप अपने हाथों को धो लें और फिर एक साफ सूती कपड़ा लें और उसे गर्म पानी में भिगोकर अपनी तर्जनी अंगुली पर लपेट लें।

2.अब शिशु को मुंह खोलें और अपनी अंगुली अंदर डालें। अंगुली को जीभ पर गोल-गोल घुमाएं। आपकी अंगुली शिशु के गले तक नहीं जानी चाहिए।

3.अगर बच्चे के दांत आ चुके हैं तो उन्हें भी कपड़े से साफ करें।

4.शिशु की मुंह की सफाई करते समय देखें कि कहीं उसकी जीभ पर कोई सफेद कोटिंग तो नहीं है। ये ओरल थ्रश हो सकता है। अगर ऐसा है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

5.दिन में कम से कम एक बार शिशु की जीभ और मुंह की सफाई जरूर करें। आप डॉक्टर से पूछकर फिंगर टूथब्रश या टंग क्लीनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

पलकों को लंबा और घना बनाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

मस्कारे का उपयोग पलकों को लंबा और घना दिखाने में मदद कर सकता है, लेकिन यह अस्थायी तरीका है और इस उत्पाद में मौजूद रसायन पलकों पर बुरा असर डाल सकते हैं। ऐसे में आप मस्कारे जैसे उत्पादों की जगह घरेलू नुस्खों की मदद से अपनी पलकों को जल्द ही प्राकृतिक तरीके से लंबा और घना कर सकते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि खूबसूरत पलकों के लिए आप किन-किन सामग्रियों का उपयोग कर सकते हैं।

नींबू के तेल का करें उपयोग

नींबू का तेल पलकों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए 1-2 नींबू के छिलकों को एक छोटे जार में रखें और इसमें थोड़ा जैतून या नारियल का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को रातभर के लिए छोड़ दें। अब इस मिश्रण में एक रूई डुबोकर इसे अपनी ऊपरी और निचली पलकों पर लगाएं। इसे कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर आंखों को धो लें। आप ऐसा रोजाना 1-2 बार कर सकते हैं।

नारियल का तेल आएगा काम

आवश्यक विटामिन और खनिजों से भरपूर नारियल का तेल पलकों को तेजी से बढ़ाने के लिए एक बढ़िया विकल्प है। यह पलकों को पतला होने और झड़ने से रोकने में भी सहायक है। लाभ के लिए रूई से अपनी पलकों पर नारियल का तेल लगाएं और 3 से 4 घंटे के बाद अपनी आंखों को पानी से साफ करें। अच्छे परिणामों के लिए इसका उपयोग प्रतिदिन करें।

शिया बटर है प्रभावी

शिया बटर में भरपूर मात्रा में विटामिन-ए और विटामिन- ई होता है, जो पलकों की देखभाल के साथ-साथ उनको खूबसूरत बनाने में भी मदद कर सकता है। लाभ के लिए अपनी उंगुलियों पर थोड़ा-सा शिया बटर लेकर अच्छी तरह रगड़कर पिघला लें, फिर इसे अपनी पलकों पर लगाएं। इसे रातभर पलकों पर लगाकर छोड़ दें और सुबह पानी से चेहरा धो लें। बेहतर परिणाम के लिए नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करें।

जैतून का तेल करेगा मदद

जैतून के तेल में ओलेयूरोपिन नामक एक फेनोलिक यौगिक होता है, जो कई अध्ययनों में बालों के विकास में प्रभावी पाया गया हैं। यह पलकों को लंबा करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए रूई पर जैतून के तेल की कुछ बूंदें डालें और इसे अपनी ऊपरी और निचली पलकों पर लगाएं। अब लैश ब्रश का उपयोग करके अपनी पलकों की धीरे-धीरे मालिश करें, फिर 5-10 मिनट के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

पैट्रोलियम जेली को लगाएं

नियमित रूप से पैट्रोलियम जेली का उपयोग करने से पलकें मजबूत और घनी हो सकती हैं। इतना ही नहीं, आप इसका उपयोग अपने पूरे चेहरे पर भी कर सकते हैं क्योंकि यह त्वचा को भी मुलायम बनाती है। लाभ के लिए सोने से पहले सावधानीपूर्वक अपनी पलकों पर ईयर बड की मदद से पैट्रोलियम जेली लगाकर सो जाएं, फिर सुबह उठकर चेहरे को धो लें। नियमित रूप से ऐसा करें।

शब्द सामर्थ्य -085

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

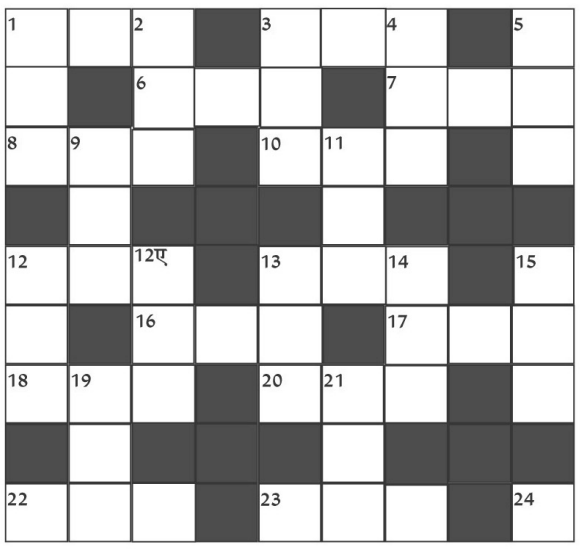

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 84 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

धुरंधर 2 ने फिर रचा इतिहास, रिकॉर्डतोड़ कमाई के साथ पुष्पा 2 को दी धोबी पछाड

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 को फैंस भर-भरकर प्यार दे रहे हैं. फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज है. पहले दिन से ही फिल्म एक के बाद एक रिकॉर्ड ब्रेक कर रही है. अब 10वें दिन भी फिल्म ने इतिहास रच दिया है और पुष्पा 2 का रिकॉर्ड भी ब्रेक कर दिया है.

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने दसवें दिन यानी दूसरे शनिवार 62.85 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म को 44.8 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म को 18,820 शोज मिले. धुरंधर 2 के दूसरे शनिवार के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं. पर अगर फिल्म ने दूसरे शनिवार को 62.85 करोड़ कमाए हैं तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 778.77 करोड़ हो गया है. वहीं फिल्म ने 10 दिनों में दुनियाभर में 1255 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

रिपोर्ट के मुताबिक, इसी के साथ फिल्म हिंदी सिनेमा में दूसरे शनिवार को सबसे कमाने वाली फिल्म बन गई है. फिल्म ने पुष्पा 2 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. पुष्पा 2 ने दूसरे शनिवार को 46 करोड़ का कलेक्शन किया था. अब धुरंधर 2 ने इसे पछाड़ दिया है.

फिल्म ने पेड प्रिव्यूज में 43 करोड़ की कमाई की थी. वहीं पहले दिन फिल्म ने 102. 55 करोड़ कमाए. दूसरे दिन फिल्म ने 80.72 करोड़ का बिजनेस किया. तीसरे दिन फिल्म ने 113 करोड़ कमाए. चौथे दिन फिल्म ने 114.85 करोड़, पांचवें दिन 65 करोड़, छठे दिन 56.60 करोड़, सातवें दिन 48.75 करोड़, आठवें दिन 49.70 करोड़ कमाए. पहले हफ्ते में फिल्म ने 674.17 करोड़ का कलेक्शन किया.

नौवें दिन फिल्म ने 41.75 करोड़ का कलेक्शन किया था.

इस फिल्म को आदित्य धर ने बनाया है. फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में हैं. संजय दत्त, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन, राकेश बेदी, गौरव गेरा जैसे स्टार्स ने फिल्म में अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म 1,000 करोड़ के घरेलू क्लब की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रही है।

धनुष स्टारर कारा को मिली रिलीज डेट, 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड फिल्म तेरे इश्क में से तारीफें बटोर चुके धनुष अब नई फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मेकर्स ने अभिनेता की अपकमिंग फिल्म कारा की रिलीज का एलान कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन विग्नेश राजा ने किया है। फिल्म अगले महीने रिलीज होने वाली है।

कारा के मेकर्स ने एलान किया है कि एक्शन एंटरटेनर फिल्म 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज का एलान इशारी के गणेश ने किया। फिल्म उनके प्रोडक्शन हाउस, वेल्स फिल्म इंटरनेशनल के बैनर तले बनी है।

वेल्स यूनिवर्सिटी के दो दिन के कल्चरल फेस्टिवल में प्रोड्यूसर इशारी के गणेश ने कहा, अगर मुझे किसी चीज को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहना हो, तो वह निश्चित रूप से एक्टर धनुष के साथ वदा चेन्नई 2 होगी। साथ ही धनुष की आने वाली फिल्म कारा 30 अप्रैल को थिएटर में रिलीज होने वाली है। गणेश यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर भी हैं।

फिल्म के मेकर्स ने इस साल पोंगल पर फिल्म का टाइटल शेयर किया था। मेकर्स ने फिल्म का एक पोस्टर भी रिलीज किया था। इसमें धनुष इंटेंस लुक में दिख रहे थे। पोस्टर पर लिखा था, कभी-कभी, खतरनाक बने रहना ही जिंदा रहने का एकमात्र तरीका होता है।

फिल्म कारा को अब तक डी54 कहा जा रहा था। इसमें ममिता बैजू हीरोइन हैं। इनके अलावा, फिल्म में डायरेक्टर के एस रविकुमार, जयराम, सूरज वेंजारामूडु, करुणास और पृथ्वी पंडिराज भी अहम रोल में होंगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रिलीज हुआ मटका किंग का टीजर, 17 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा प्रीमियर

प्राइम वीडियो, जो इंडिया का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन है, उसने आज विजय वर्मा के बर्थडे पर उनकी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज मटका किंग की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट 17 अप्रैल अनाउंस कर दी है.अभय कोरन्ने की लिखी और नागराज पोपटराव मंजुले की बनाई और डायरेक्ट की गई ये सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर बेस्ड है. ये कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो मटका नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है.

इसे सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन ने रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. मटका किंग में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं. इनके साथ ही विनीत कुमार सिंह, भरत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगड़े, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे. ये सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी.

मटका किंग की कहानी ब्रिज भट्टी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार विजय वर्मा ने निभाया है. वह 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे में अपनी पहचान और इज्जत बनाने की कोशिश में जुटा एक तेज दिमाग और मेहनती कॉटन ट्रेडर है. भीड़भाड़ वाले बाजारों, चॉलों और बदलती पावर डायनेमिक्स के बीच सेट यह कहानी एक महत्वाकांक्षी आइडिया से शुरू होती है, जो धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बना लेता है और समाज के हर तबके के लोगों को अपनी ओर खींचने लगता है. जैसे-जैसे उम्मीदें और दांव बढ़ते जाते हैं, यह सीरीज महत्वाकांक्षा, ताकत और अपनी जगह बनाने की एक रोमांचक कहानी के रूप में सामने आती है.

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड और डायरेक्टर निखिल मधोक ने कहा, मटका किंग एक ऐसे आदमी की दिलचस्प कहानी है जो बदलते वक्त के साथ हर मुश्किल से लड़कर कामयाब होने की कोशिश करता है, और इसे इस तरह से पेश किया गया है कि दर्शक हैरान रह जाएंगे. ब्रिज भट्टी का मटका किंग बनने का सफर जितना शानदार है, उतना ही एक सबक भी देता है. हम रॉय कपूर फिल्म्स, आटपाट और एसएमआर प्रोडक्शंस के साथ मिलकर इस बोल्ड कहानी को 17 अप्रैल को दुनियाभर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं.

मटका किंग के को-प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर ने बताया, हमें इस सीरीज की ओर जिस चीज ने सबसे ज्यादा खींचा, वो था इसका बड़े स्तर पर बनाया गया अनोखा वर्ल्ड और एक ऐसे इंसान की कहानी, जो तेजी से बदलते समाज में अपनी महत्वाकांक्षा, पहचान और सम्मान के लिए संघर्ष करता है. हालांकि यह कहानी एक खास समय और जगह की है, लेकिन इंसानी सपनों और फैसलों की जो इसमें झलक दिखती है, उससे हर कोई खुद को जोड़ पाएगा। नागराज पोपटराव मंजुले के साथ काम करना काफी सुखद रहा, जिनके काम का मैं हमेशा से कायल रहा हूँ. साथ ही, टैलेंटेड अभय कोरन्ने, जिनके साथ हमने पहले भी सफल काम किया है, उन्होंने कहानी कहने के तरीके में एक अलग क्रिएटिव विजन और सच्चाई भरी है.विजय वर्मा, कृतिका कामरा और गुलशन ग्रोवर जैसे शानदार कलाकारों ने इस सीरीज में जान फूँक दी है। हम इस बड़े प्रोजेक्ट के लिए प्राइम वीडियो के साथ अपनी पार्टनरशिप को और मजबूत करके बहुत खुश हैं और 17 अप्रैल से मटका किंग को दर्शकों के सामने लाने का इंतजार कर रहे हैं.

फिल्म मृत्युंजय की ओटीटी रिलीज डेट आई सामने, 3 अप्रैल को नेटफ्लिक्स दस्तक देगी श्री विष्णु की फिल्म

साउथ एक्टर श्री विष्णु की फिल्म मृत्युंजय एक बार फिर चर्चा में आ गई है. हुसैन शाह किरण ने निर्देशन में बनी ये एक ये एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जो 6 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी. वहीं अब इस फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट सामने आ चुकी है. आइए जानते हैं ये फिल्म कब और कहां स्ट्रीम होगी.

मृत्युंजय ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है. नेटफ्लिक्स के ऐप कैटलॉग के मुताबिक, यह फिल्म 3 अप्रैल 2026 से स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबव होगी. माना जा रहा है कि फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जा सकता है, जिससे इसे नई ऑडियंस तक पहुंचने का मौका मिलेगा.

बता दें, थिएटर्स में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाने वाली इस फिल्म को अब ओटीटी से बेहतर रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है. फिल्म में रेबा मोनिका जॉन लीड रोल में हैं, जबकि वीर आर्यन विलेन के किरदार में है. इसके अलावा फिल्म में बेबी उहा, सुधर्शन, अय्यप्पा शर्मा और राचा रवि जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं. फिल्म को संदीप गुन्नम और विनय चिलकापाटी ने प्रोड्यूस किया है, जबकि इसका म्यूजिक काल भैरव ने दिया है.

फिल्म मृत्युंजय की कहानी जय नाम के एक आम इंसान के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पेशे से अखबार में काम करता है. उसके बचपन का एक गहरा सदमा उसे हमेशा परेशान करता रहता है, और यही वजह है कि वह रहस्यमयी मामलों की ओर खिंचता चला जाता है. जब हैदराबाद में लगातार कुछ मौतें होने लगती हैं, तो जय खुद ही इस रहस्य की तह तक जाने का फैसला करता है. धीरे-धीरे उसकी यह जिज्ञासा एक खतरनाक जांच में बदल जाती है, जहां हर कदम पर उसे नए राज और खतरे का सामना करना पड़ता है. यह फिल्म दिखाती है कि कैसे एक आम आदमी सच्चाई की तलाश में अपनी सीमाओं से आगे निकल जाता है और एक खतरनाक कातिल को पकड़ने की कोशिश करता है.

हरिद्वार में सीवर लाइन बिछाने के बाद सड़कों पर गड्ढे, सड़क पर उतरे व्यापारी

हरिद्वार(आरएनएस)।शहर में नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत सीवर लाइन बिछाई जा रही है। लेकिन, इससे सड़कों पर बने गड्ढे आमजन के लिए आफत खड़ी कर रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर सोमवार को व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की जिला इकाई के अध्यक्ष संजीव नैय्यर के नेतृत्व में व्यापारियों ने पुतला फूंककर नमामि गंगे विभाग से कड़ा विरोध जताया। शहर अध्यक्ष राजीव पाराशर और महामंत्री अमन शर्मा ने कहा कि सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने में महकमे विफल साबित हो रहे हैं। सीवर लाइन प्रोजेक्ट के चलते शहर की अंदरूनी सड़कों की हालत खस्ता हो चुकी है।युवा व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा और तहसील अध्यक्ष राहुल शर्मा ने कहा कि टूटी सड़कों के कारण लोग अक्सर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। महकमे एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ रहे हैं। उन्होंने चेताया कि जब तक सड़कों की मरम्मत नहीं होती, तब तक सीवर लाइन का काम नहीं होने दिया जाएगा। जरूरत पड़ी तो प्रतिष्ठान बंद कर सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। इस दौरान विजय शर्मा, कमल ब्रजवासी, रजन सेठ, राजेश पुरी, माधव बेदी, अनुज गर्ग, हिमांशु गुप्ता, विवेक भूषण, विक्की आडवाणी, विष्णु अरोड़ा, सन्नी सक्सेना, राजेंद्र जैन, महेश कुमार, जतिन सोढ़ी, आशु वर्मा, आकाश शर्मा, हनी शर्मा, मधुसूदन शर्मा, अनुज तोमर आदि मौजूद रहे।

पांच महिलाओं समेत 41 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

हरिद्वार(आरएनएस)। रोशनाबाद स्थित पुलिस कार्यालय सभागार में आयोजित सैनिक सम्मेलन में जिलेभर से पहुंचे पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनी गईं। इस दौरान पांच महिला कर्मियों समेत 41 जवान भी सम्मानित किए गए। इस अवसर पर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने पुलिसकर्मियों से सीधा संवाद कर उनकी ड्यूटी से जुड़ी समस्याओं और सुझावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनका समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, जिससे पुलिस व्यवस्था और प्रभावी बन सके। इस मौके पर कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष के समाधान के लिए अफसरों को निर्देश दिए गए। आखिर में जटिल अपराध के खुलासे और फ्रेंडली पुलिसिंग के जरिए जनसमस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभाने वाले 41 पुलिसकर्मियों को 'पुलिस मैन और वूमेन ऑफ द मंथ' से सम्मानित किया गया। जनता से मधुर व्यवहार रखने के निर्देशएसएसपी ने सभी पुलिसकर्मियों को आमजन के साथ मधुर व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए। इन पुलिसकर्मियों को मिला सम्मानएसएसपी के हाथों सम्मानित पुलिसकर्मियों में वीआईपी सेल से अपर उपनिरीक्षक रविंद्र सिंह, कोतवाली नगर से हेड कांस्टेबल होशियार सिंह, कनखल से अपर उपनिरीक्षक नंद किशोर और कांस्टेबल विशन चौहान, ज्वालापुर से उपनिरीक्षक अंशुल अग्रवाल और महिला कांस्टेबल पूनम भट्ट सहित कुल 41 पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सू- दोकू क्र.085

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.84 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

परिवहन व्यवसायी टैक्स जमा नहीं करेंगे

ऋषिकेश(आरएनएस)। चारधाम जाने वाली बसों के लिए लॉटरी अप्रैल के पहले सप्ताह में निकाली जाएगी। संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति को अब तक सभी परिवहन कंपनियों से बसों का ब्योरा नहीं मिल पाया है। रोटेशन ने परिवहन विभाग की ओर से हर साल बढ़ाए जाने वाले टैक्स को लागू करने का विरोध किया। कहा कि ऐसी स्थिति में वाहन स्वामी टैक्स जमा नहीं करेंगे। चाहे उनके वाहनों के ग्रीन कार्ड बनें या न बनें।

चारधाम यात्रा को लेकर संयुक्त रोटेशन के अध्यक्ष भास्करानंद भारद्वाज की अध्यक्षता में हरिद्वार और ऋषिकेश के ट्रैवल एजेंटों की अलग-अलग बैठक हुई। संयुक्त रोटेशन की ओर से बताया गया कि हरिद्वार से आने वाली यात्री बस डिमांड रोटेशन में शामिल सभी 10 परिवहन कंपनियों के माध्यम से स्वीकार की जाएगी। ठेका वाहन और स्टेज कैरिज में चलने वाले वाहनों की अलग-अलग लॉटरी निकाली जाएगी। मूल डिमांड पर ही वाहनों का आवंटन किया जाएगा। अगर किसी ट्रैवल एजेंट की डिमांड फर्जी पाई जाती है तो वाहन व एजेंसी का अगला छूट का नंबर निरस्त कर 25 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा।चारधाम यात्रा पर जाने वाली बसों को रोटेशन से गमन पत्र (परमिट) लेना होगा। परिवहन विभाग और रोटेशन चेक पोस्ट पर गमन पत्र (परमिट) की जांच की जाएगी। गमन पत्र (परमिट) न होने पर वाहन को चेक पोस्ट से वापस कर दिया जाएगा। बैठक में टीजीएमओ के अध्यक्ष जितेंद्र नेगी, यातायात कंपनी के निवर्तमान अध्यक्ष मनोज ध्यानी, रूपकुंड समिति के अध्यक्ष भूपाल सिंह नेगी, गणेश भट्ट, योगेश उनियाल, प्रेमपाल बिष्ट, प्रदीप कानवासी, कृष्णा पंत सहित ट्रैवल कारोबारी हरिमोहन सिंह, नरेश गोयल, नितिन चौधरी, गजेंद्र चौहान, सुमित रतूड़ी, बिजेंद्र पासवान, राकेश गुसाईं, बद्री प्रसाद नौटियाल और प्यारेलाल जुगरान आदि मौजूद रहेट्रैवल एजेंट की मांग पर बसें आवंटित होंगीऋषिकेश के ट्रैवल कारोबारियों के साथ संयुक्त रोटेशन की बैठक में आपसी समन्वय पर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन ट्रैवल एजेंट के पास परिवहन विभाग या पर्यटन विभाग का एजेंट प्रमाण पत्र होगा वे बस डिमांड के लिए रोटेशन में नाम लिखवाएंगे। ट्रैवल एजेंटों की ओर से अपेक्षा की गई कि रोटेशन समिति ऋषिकेश पहुंचे यात्रियों को हर हाल में बसें उपलब्ध कराएगी। रोटेशन कार्यालय से ही यात्रियों को ट्रेवल एजेंट की डिमांड पर चारधाम के लिए बसें आवंटित की जाएंगी। बैठक में दिनेश बहुगुणा, पंकज शर्मा, संदीप गुप्ता, नवीन मोहन, महेश शर्मा, अमर गुप्ता, चेतन, सीमा रानी, मनोज साहल, सुनील बजाज, सुनील उनियाल, भारत शर्मा, अप्रेश पंचभैया और मदन मोहन कोठारी आदि मौजूद रहे। संचालन संयुक्त रोटेशन के प्रभारी नवीन तिवाड़ी ने किया।

यमुनोत्री हाईवे - पालीगाड से जानकीचट्टी तक बना है मुसीबत

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पालीगाड से लेकर जानकीचट्टी तक यमुनोत्री हाईवे चौड़ीकरण कार्य लगातार मुसीबत का सबब बना है। चौड़ीकरण से हाईवे संकरा और ऊबड़-खाबड़ हो गया है। वहां आए दिन वाहन फंस रहे हैं। खासकर मालवाहक वाहन चढ़ाई पार करते हुए सड़क पर ही फंस रहे जिससे घंटों लंबा जाम लग रहा। सोमवार को भी हाईवे पर मालवाहक वाहन फंस गए थे और जाम की स्थिति रही। ऐसे में मुसाफिरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पाली गाड से लेकर जानकीचट्टी तक इन दिनों ऑल वेदर परियोजना के तहत हाईवे चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। पिछले कई महीनों से चौड़ीकरण कार्य के कारण सड़क की स्थिति बदहाल बनी है। अप्रैल से चारधाम यात्रा भी शुरू होने वाली है। सड़क की हालत नहीं सुधरने पर यात्रा के दौरान दिक्कतें बढ़ सकती है। सिलाई बैंड के करीब आधा किमी हिस्से में आलम यह है कि धूप में धूल और बारिश से कीचड़ के कारण आवागमन करने में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। साथ ही वहां पर जाम की समस्या से और भी दिक्कत हो रही है।

स्थानीय निवासी लोकेश चौहान, प्रमिंद राणा आदि का कहना है कि कई जगहों पर सड़क संकरी होने से वाहन फंस रहे हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई बार लोगों को वाहनों को पत्थरों और गुटखों के सहारे आगे बढ़ाना पड़ रहा। हाईवे के इस चढ़ाई वाले हिस्से में दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी हुई है। यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुनील उनियाल, प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, मनमोहन उनियाल का कहना है कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले यदि सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इससे यात्रा प्रभावित हो सकती है।

गैस नहीं मिली तो हलवाइयों ने फिर सुलगाई मिट्टी की भट्ठियां

रुड़की(आरएनएस)। कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत का असर अब मिठाई के कारोबार पर भी पड़ने लगा है। नारसन क्षेत्र के मिठाई विक्रेताओं को ईंधन की भारी किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। गैस की सुलभ उपलब्धता न होने के कारण अब दुकानदारों ने पुराने तौर-तरीके अपनाते हुए दुकानों में फिर से मिट्टी की भट्ठियां बनानी शुरू कर दी हैं। मिठाई विक्रेता बाबूराम और गुरदास ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में गैस की उपलब्धता इतनी आसान थी कि उन्होंने अपनी दुकानों से पुराने मिट्टी के चूल्हों और भट्ठियों को उखाड़कर फेंक दिया था। आधुनिकता के दौर में गैस चूल्हों पर काम करना आसान और साफ-सुथरा था। लेकिन अब सिलेंडर के लिए मची मारामारी ने उन्हें फिर से पीछे लौटने पर मजबूर कर दिया है। दुकानदारों का कहना है कि अब मिट्टी की भट्ठियों में लकड़ी और कोयला जलाकर मिठाइयां तैयार की जा रही हैं। इसमें समय भी अधिक लग रहा है और मेहनत भी दोगुनी हो गई है। भट्ठी सुलगाने से लेकर तापमान नियंत्रित करने तक में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। रोजगार चलाना है तो मिठाई तो बनानी ही होगी। गैस मिल नहीं रही, इसलिए अब लकड़ी-कोयले के अलावा कोई दूसरा विकल्प नजर नहीं आ रहा।

चार सूत्रीय मांगों पर पूर्व पैरामिलिट्री कार्मिकों का विरोध, आंदोलन की चेतावनी

अल्मोड़ा(आरएनएस)। पूर्व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक संगठन की बैठक सोमवार को आयोजित हुई, जिसमें जिले के विभिन्न ब्लॉकों से सेवानिवृत्त अर्धसैनिक बल के कार्मिक शामिल हुए। बैठक में चार सूत्रीय मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध जताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी गई। बैठक में अर्धसैनिक बलों के लिए कल्याण बोर्ड का गठन, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुरूप लाभ देने और जिला स्तर पर प्रभावी कल्याण बोर्ड स्थापित करने की मांग उठाई गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि ये मांगें न्यायसंगत हैं, लेकिन लगातार उपेक्षित की जा रही हैं। बैठक में प्रस्तावित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स बिल पर भी आपत्ति जताई गई। पूर्व कार्मिकों ने कहा कि उच्च पदों पर आईपीएस अधिकारियों की तैनाती से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए और उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों का सम्मान किया जाना आवश्यक है। पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार वादाखिलाफी कर रही है।

हल्द्वानी में घोषित पैरामिलिट्री कल्याण बोर्ड का गठन चार महीने बाद भी नहीं हो सका है, जबकि गैरसैंण में मुलाकात के दौरान आश्वासन दिया गया था। जिला स्तर पर भी कल्याण बोर्ड के गठन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर चिंता जताई गई। बैठक में सीजीएचएस सुविधा को लेकर भी समस्या उठाई गई। पूर्व कार्मिकों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए यह व्यवस्था अत्यंत जरूरी है, लेकिन इसके अभाव में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 15 मई के बाद बड़ा जुलूस निकाला जाएगा। बैठक में मनोहर सिंह नेगी, टीडी शर्मा, के एस खनी, दीवान सिंह बोरा, आरपी जोशी, के एस अधिकारी, रमेश नेगी, चतुर सिंह, हरीश सिंह, नंदन सिंह, मदन मोहन, राम सिंह रजवार, हीरा सिंह, हीरा बल्लभ, गोपाल सिंह, महेंद्र कुमार मनराल सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। बैठक का संचालन दीवान सिंह बोरा और रूप सिंह बिष्ट ने संयुक्त रूप से किया।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा द्वारा आयोजित आभार रैली में प्रतिभाग किया

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा द्वारा आयोजित आभार रैली में प्रतिभाग किया। उन्होंने कर्मचारियों द्वारा व्यक्त किए गए सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश की देवतुल्य जनता को समर्पित बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास में कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और नगर निकाय कर्मचारियों की जिम्मेदारी विशेष रूप से अहम है। उन्होंने कहा कि निकाय कर्मियों के अथक प्रयासों से ही शहरों और कस्बों में स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाएं सुचारु रूप से संचालित होती हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान कर्मचारियों द्वारा निभाई गई जिम्मेदारी और सेवा भाव को सराहते हुए इसे मानवता की उत्कृष्ट मिसाल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड आस्था, संस्कृति और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण राज्य है, यहां नगर निकायों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, विशेषकर चारधाम यात्रा, कांवड़ यात्रा और कुंभ जैसे आयोजनों के दौरान। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के सशक्तिकरण, सुरक्षा एवं संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और चरणबद्ध तरीके से सभी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा नगर निकाय कर्मचारियों एवं पर्यावरण मित्रों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं, जिनमें पर्यावरण मित्रों का मानदेय बढ़ाकर 500 रूपए प्रतिदिन करना, चारधाम क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को अतिरिक्त मानदेय प्रदान करना, वर्दी एवं स्नोबूट हेतु 2500 रूपए की सहायता, स्वास्थ्य एवं कल्याण योजनाओं के लिए वित्तीय प्रावधान, 5 लाख रूपएका ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस लागू करना, ईपीएफ एवं ईएसआई लाभ सुनिश्चित करने हेतु निर्देश जारी करना, संविदा कर्मचारियों का वेतन 7,500 से बढ़ाकर 15,000 रूपए करने के साथ ही कई और निर्णय लिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 'स्वच्छ भारत मिशन', 'अमृत योजना', 'स्मार्ट सिटी मिशन' एवं 'प्रधानमंत्री आवास योजना' जैसी योजनाओं के माध्यम से देश में व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं। राज्य सरकार इन योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू कर प्रदेश के समग्र विकास को गति दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को 'स्वच्छता मित्र' के रूप में सम्मानित करते हुए उनके सुरक्षा और कल्याण हेतु 'नमस्ते योजना' तथा 'आयुष्मान भारत योजना' जैसी पहलें संचालित की जा रही हैं। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के मुख्य संयोजक सुरेन्द्र तेश्वर, सह संयोजक संतोष गौरव, नरेश वेद एवं अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

250 बच्चों को निःशुल्क किताबें, बैग व..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

जाते हैं। इसके अलावा, स्कूल से जुड़े गौशाला, चिकित्सा सेवा, आश्रम सेवा और मंदिर सेवा जैसी गतिविधियाँ भी नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। गुरविंदर सलूजा ने कहा, "उनका प्रयास है कि समाज के सभी गरीब बच्चों का भविष्य उज्ज्वल और सुरक्षित बनाया जाए। वह चाहते हैं कि उन्हें केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन में आत्मनिर्भर बनने का अवसर भी मिले।" इस अवसर पर मुख्य अतिथि मानव अधिकार प्रदेश अध्यक्ष अशरफी राणावत उत्तराखंड,जय भट्ट प्रदेश अध्यक्ष प्रशासनिक मानव अधिकार उत्तराखंड, व संगीता बहुगुणा जिला अध्यक्ष देहरादून मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि स्कूल ने कई गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आवश्यक सुविधाएँ प्रदान कर उनकी जिंदगी बदलने में अहम भूमिका निभाई है। समाजसेवी दंपत्ति का यह प्रयास स्थानीय समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। उन्होंने कहा कि गुरविंदर सलूजा ऋषिकेश में बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं जो की सराहनीय है। इस अवसर पर किरण, यशोदा, मीनू व सभी बच्चों के अभिभावक अधिकांश संख्या में उपस्थित थे।

बीकेटीसी में 'कामचलाऊ' नहीं, 'फुलटाइम अफसर' की नियुक्ति करे सरकारः नेगी

संवाददाता

देहरादून। सोशल एक्टिविस्ट एडवोकेट विकेश नेगी ने कहा कि सरकार बीकेटीसी में कामचलाऊ नहीं फुलटाईम अफसर की नियुक्ति न कर फुलटाइम अफसर नियुक्त करें।

सोशल एक्टिविस्ट एडवोकेट विकेश नेगी ने कहा कि श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति का मामला अभी अधर में लटका है। चारधाम यात्रा को देखते हुए सरकार ने इस पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा को सौंपी है। सवाल उठ रहे हैं कि जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग को संभालेंगे या बीकेटीसी का कार्यभार। इसके बावजूद समिति में कई अहम पद अब भी रिक्त है। नेगी का कहना है कि राज्य सरकार के पास अफसरों की फौज है। ऐसे में बीकेटीसी में 'कामचलाऊ' व्यवस्था करना समझ से मेरे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग है कि बीकेटीसी जैसी महत्वपूर्ण संस्था में सरकार को सीईओ पद पर किसी राजपत्रित अधिकारी (वरिष्ठ पीसीएस या कनिष्ठ आईएएस) की पूर्णकालिक नियुक्ति करनी चाहिए। सामाजिक कार्यकर्ता व अधिवक्ता विकेश सिंह नेगी ने कहा कि विशाल मिश्रा के पास अब दोहरी जिम्मेदारी है, रुद्रप्रयाग की कलेक्टरी और बीकेटीसी का सीईओ। केदारनाथ धाम रुद्रप्रयाग में स्थित है, जहां इस समय सबसे अधिक यात्री पहुंच रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या एक अधिकारी दोनों पदों को प्रभावी ढंग से संभाल पाएंगे, खासकर जब बदरीनाथ चमोली जिले में है। कई अधिकारी इस पद पर तैनाती से कतराते दिख रहे हैं। बीकेटीसी में केवल सीईओ पद ही नहीं, एडिशनल सीईओ, डिप्टी सीईओ, कार्याधिकारी (केदारनाथ) जैसे कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद भी रिक्त हैं। वहीं, मंदिर एक्ट में संशोधन कर उपाध्यक्ष के दो पद सृजित किए और पार्टी नेताओं को नियुक्त किया, लेकिन प्रशासनिक रिक्तियों को भरने में गंभीरता नहीं दिख रही। नेगी ने सूचना अधिकार के तहत बीकेटीसी बोर्ड की 9 जुलाई 2025 की बैठक के प्रस्तावों की जानकारी ली। बोर्ड ने सीईओ की अर्हताओं में संशोधन का प्रस्ताव पारित किया, जिसमें 2023 की सेवा नियमावली में निर्धारित प्रथम श्रेणी राजपत्रित अधिकारी की अनिवार्यता को "एकांगी" और "अनुकूल नहीं" बताते हुए हटाने की बात कही गई। बोर्ड ने तर्क दिया कि पहले 1985 की नियमावली में केवल स्नातक डिग्री पर्याप्त थी। नेगी ने कहा कि देश के अन्य प्रमुख श्राइन बोर्डों में आईएएस अधिकारियों को सीईओ बनाया जाता है ताकि प्रबधंन चुस्त-दुरुस्त रहे। उन्होंने बीकेटीसी बोर्ड पर आरोप लगाया कि वह इन धामों में मात्र स्नातक डिग्रीधारी को सीईओ बनाना चाहता है, जो प्रशासनिक गड़बड़ी पैदा कर सकता है। उन्होंने विरोध की चेतावनी भी दी। बोर्ड ने एक अन्य प्रस्ताव में विशेष पूजाओं के लिए न्यूनतम 11 लाख रुपये की दर निर्धारित करने की बात कही, जिसे नेगी ने धार्मिक स्थलों में व्यावसायिकता बढ़ावा देने वाला बताया। नेगी ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में बीकेटीसी जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में पूर्णकालिक, योग्य और अनुभवी प्रशासनिक नेतृत्व की कमी चिंताजनक है। शासन सूत्रों के अनुसार नए सीईओ की नियुक्ति की कवायद चल रही है, जिसमें इस बार पीसीएस अधिकारी को तैनात किए जाने की संभावना है। धामों की पवित्रता, श्रद्धालुओं की सुविधा और कुशल प्रबंधन को बनाए रखने के लिए शासन को जल्द स्थायी और योग्य समाधान निकालना होगा, ताकि आस्था के इन केंद्रों की व्यवस्था पर कोई आंच न आए।

श्रम सहिताओं के खिलाफ सीटू ने काला दिवस पर मोदी का पुतला फूंका

संवाददाता

देहरादून। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स ने श्रम सहिताओं के खिलाफ काला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूतला दहन किया।

आज यहां सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) ने श्रम सहिताओं के खिलाफ सीटू ने काला दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला फूंका। मोदी द्वारा मजदूरों को गुलाम बनाने वाली चार श्रम सहिताओं को एक अप्रेल 2026 से लागु करने कि घोषणा कि है। इस घोषणा का विरोध पुरे देश में विरोध स्वरूप काला दिवस मनाया जा रहा है इस अवसर पर सीटू जिला कमेटी देहरादून ने राजपुर रोड स्थित कार्यालय से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला लेकर जलूस निकाल कर जलूस गाँधी पार्क से होते हुए क्वालटी चौक पहुंचा जहां पर प्रदर्शन कर पुतला फूंका। इस अवसर पर सीटू के जिला महामंत्री लेखराज ने कहा कि केंद्र कि मोदी सरकार पूंजीपतियों को मुनाफा कमाने और मजदूरों को गुलाम बनाने के लिए ये चार श्रम सहितायें आज एक अप्रेल 2026 से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2020 में जब सारी दुनियां करोना महामारी से त्राहि -त्राहि मची थी उस समय आपदा में अवसर तलाशते हुए ये श्रम सहिताएं संसद में विपक्ष के सांसदों को निलंबित कर ये श्रम सहिताएं पास कि गयी। जिसका विरोध केंद्रीय ट्रेड यूनियंस लगातार विरोध कर रही है। इस अवसर पर किसान नेता राजेंद्र पुरोहित, सीटू के जिला उपाध्यक्ष भगवंत पयाल, शिवा दुबे, सचिव अभषेक भंडारी आदि ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर सुनीता चौहान, नीरा कंडारी, संघ मित्रा,रविंदर नौढ़ियाल, नरेन्द्र सिंह, बस्ती बचाओ आंदोलन के संयोजक अनंत आकाश, दयाकिशन पाठक, हरीश कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्तिथ थे।

चारधाम यात्रा शुरू होने से पूर्व सीवरेज निर्माण कार्य पूरा हो: डीएम

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नगर क्षेत्रांतर्गत परियोजना प्रबन्धक (गंगा डिविजन) उत्तराखंड पेयजल निगम द्वारा सीवरेज के लिए किए जा रहे निर्माण कार्यों को त्वरित गति से करने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने राज्य अतिथि गृह हरिद्वार में संबंधित अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए है कि सीवरेज के जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे है, उन कार्यों को चार धाम यात्रा शुरू होने से पूर्व हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, जिससे कि स्थानीय व्यापारियों,स्थानीय लोगों एवं आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई असुविधा एवं परेशानी न होने पाए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि जो कार्य रात्रि के समय किए जा सकते है, उन्हें रात्रि के समय करे, जो भी निर्माण कार्य दिन में किए जा सकते है, उन्हें दिन में प्राथमिकता से पूर्ण करना सुनश्चित करे। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए है कि अपर रोड में चल रहे सीवरेज के निर्माण कार्यों को एक सप्ताह के भीतर हर हाल में कार्य पूर्ण करना सुनाश्चित करे, इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता न बरती जाए तथा रोड को पीडब्लूडी को हैंडओवर करने के निर्देश दिए ताकि लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यों को प्राथमिकता से कराए जा सके। इस अवसर पर जीएम गंगा डिविजन उत्तराखंड पेयजल निगम आर के जैन, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, परियोजना प्रबंधक (गंगा डिविजन) उत्तराखंड पेयजल निगम मीनाक्षी मित्तल, अधिशासी अभियंता उत्तराखंड जल संस्थान हरीश बंसल, कॉन्ट्रैक्टर रजत शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

'आईटीबीपी व औद्यानिक परिषद के बीच हुआ एमओयू पर हस्ताक्षर'

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में स्थानीय उत्पादों (ताजे फल एवं सब्जियों) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल और उत्तराखंड औद्यानिक परिषद के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में मुख्यमंत्री आवास में 'वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' के अंतर्गत भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) की उत्तराखंड में तैनात वाहिनियों के लिए स्थानीय उत्पादों (ताजे फल एवं सब्जियों) की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल और उत्तराखंड औद्यानिक परिषद के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड औद्यानिक परिषद और आईटीबीपी के मध्य हुए इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) को राज्य के किसानों, स्थानीय उत्पादकों एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समझौते के माध्यम से राज्य में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों को स्थानीय स्तर पर ताजे फल एवं सब्जियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इससे एक ओर हमारे जवानों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध होगी, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल "स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा" देने के राज्य सरकार के संकल्प को सशक्त करेगी तथा किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए एक सुदृढ़ एवं स्थायी मंच प्रदान करेगी। इस व्यवस्था के तहत चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ एवं चंपावत जैसे दूरस्थ एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ ही देहरादून में भी स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

अभी तक आईटीबीपी 14 करोड़ 77 लाख रुपये के स्थानीय उत्पादों की खरीद कर चुका है, जिसे और बढ़ाने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उत्तराखंड में आईटीबीपी वार्षिक मांग की 25 प्रतिशत फल एवं सब्जियाँ भी खरीदती है, तो इससे स्थानीय किसानों को लगभग 6 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। इस अवसर पर कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, सचिव कृषि एस.एन. पाण्डेय, आईजी आईटीबीपी मनु महाराज, अपर सचिव आनन्द श्रीवास्तव, निदेशक उद्यान एस.एल. सेमवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखंड औद्यानिक परिषद नरेन्द्र कुमार यादव एवं आईटीबीपी के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

लाखों के जेवरात चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

❑माल बरामद, चोरी के माल से खरीदी गयी बाइक सीज

हमारे संवाददाता

चमोली। बंद मकान का ताला तोड़कर किये गये लाखों के जेवरात चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुराये गये जेवरात व चोरी के माल से खरीदी गयी बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 1 मार्च से 4 मार्च 2026 के बीच अर्जुन सिंह निवासी ग्राम सिदोली, हाल निवासी गौचर के किराये के कमरे में अज्ञात चोर ने सेंधमारी की थी। घर से सोने का लॉकेट, मांगटीका, नथ, कुंडल, मटरमाला, चेन, चांदी की पायल, बिछुवे, अंगूठी सहित एक मोबाइल और स्मार्ट वॉच चोरी की गयी थी। मामले में कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरी की घटना के खुलासे हेतू गठित पुलिस टीम द्वारा तत्परता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण तथा जनपद की सर्विलांस टीम की सहायता से चोरी हुए मोबाइल को सर्विलांस पर लगाया गया। प्राप्त लोकेशन के आधार पर संदिग्ध की पहचान सुनिश्चित की गई। जिसे पुलिस ने आज सुबह गौचर बैरियर पर चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम रोहित कुमार उर्फ शुभम पुत्र स्व. सुरेन्द्र कुमार निवासी ग्राम कुमजुग पो. सुंग, तहसील व थाना नन्दानगर जनपद चमोली बताया। जिसके पास से चुराया गया माल बरामद किया गया है। पूछताछ मे आरोपी ने बताया कि होली से 1-2 दिन पूर्व वह नशे की हालत में गौचर क्षेत्र में घूम रहा था। इसी दौरान एक मकान के बाहर ताला लटका देखकर उसे संदेह हुआ कि मकान मालिक बाहर गए हुए हैं। अवसर का लाभ उठाते हुए उसने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और घर में रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। पूछताछ में आरोपी ने यह भी बताया कि चोरी किए गए सामान में से 1 सोने का लॉकेट, 1 जोड़ी चांदी के बिछुवे एवं 1 चांदी की अंगूठी को उसने हरिद्वार में एक अज्ञात व्यक्ति को लगभग 60 हजार रूपये में बेच दिया था। जिससे प्राप्त धनराशि से उसने बाइक खरीद ली। बाकी जेवरात को बेचने के लिए वह देहरादून जा रहा था। इस बीच उसे पुलिस ने पकड़ लिया। बहराहल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री ने ब्रिगेडियर जोशी के घर पहुंच श्रद्धांजलि दी

संवाददाता

देहरादून। पुष्कर सिंह धामी ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर मुकेश जोशी के निधन पर उनके जोहड़ी, देहरादून स्थित आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने इस दौरान उनके परिजनों से भेंट कर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में शामिल दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। अधिकारियों को प्रदेश में ऑपरेशन प्रहार चलाकर अवांछित और हुड़दंग करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी भी मौजूद थे।

रोडवेज स्टेशन मारपीट व लूट प्रकरण का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। रोडवेज स्टेशन में मारपीट व लूट मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से लूटा गयी नगदी व अन्य सामान बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 29 मार्च को टकाना निवासी एक महिला द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया था कि 26 मार्च की रात्रि में रोडवेज स्टेशन के पास एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके चचेरे भाई मनोज कुमार के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया तथा उससे नगदी, आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि छीन लिये। घायल को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी

की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल व आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण कर आरोपी की पहचान सुनिश्चित की गई। जिसे एक सूचना के बाद बीती रात केमू स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपना नाम दलीप कुमार, निवासी ग्राम झरकाणा, बोरीगांव जिला दार्चुला (नेपाल), हाल निवासी निकट रोडवेज स्टेशन पिथौरागढ़ बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पीड़ित का आधार, पैन कार्ड व नकदी तथा घटना में प्रयुक्त लकड़ी की फन्टी भी बरामद की गयी। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

केन्द्र पोषित योजनाओं की समीक्षा प्रगति पोर्टल के माध्यम से की जायेगीः बर्द्धन

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि विभागों द्वारा संचालित राज्य एवं केंद्र पोषित महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा स्टेट प्रगति पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी।

आज यहां मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में स्टेट प्रगति पोर्टल की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि विभागों द्वारा संचालित राज्य एवं केंद्रपोषित महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा स्टेट प्रगति पोर्टल के माध्यम से ही की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा अपनी महत्वपूर्ण योजनाओं को इसमें शीघ्र से शीघ्र अपलोड किया जाए। मुख्य सचिव ने नियोजन विभाग द्वारा तैयार पोर्टल पर

इस प्रकार डिजाइन किए जाने के निर्देश दिए कि योजनाओं की विभागवार एवं योजनावार समीक्षा की जा सके।

मुख्य सचिव ने पोर्टल में सभी विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार की सभी योजनाओं को भी शामिल किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि हम इन योजनाओं से अब तक कितना रोजगार उत्पन्न कर पाए हैं, इसका विश्लेषण भी किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए नियोजन विभाग को सभी विभागों की स्वरोजगार से सम्बन्धित योजनाओं का पिछले 3 से 5 सालों का विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार किए जाने के निर्देश दिए ताकि योजनाओं की समीक्षा हो सके और उसकी खामियों को समझकर दूर किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने स्टेट प्रगति पोर्टल का ट्रायल लेते हुए विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने भवन निर्माण कार्यों के साथ ही स्वास्थ्य विभाग को मैन पावर और मशीन अपग्रेडेशन को भी अपनी योजनाओं में शामिल किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए हॉलिस्टिक प्लान तैयार किए जाने की बात कही। साथ ही भवन निर्माण में बेसमेंट पार्किंग को अनिवार्य रूप से शामिल किए जाने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव सचिन कुर्वे, डॉ. बी.वी. आर.सी. पुरूषोत्तम, अपर सचिव सुश्री झरना कमठान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।